प्राक्कथन

राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी(रा.ले.सां.) का यह अंक 1999-2000 से 2005-06 तक के राष्ट्रीय/घरेलू उत्पाद, राष्ट्र के समेकित लेखों, निजी अंतिम उपभोग व्यय, बचत, पूंजी निर्माण और सार्वजनिक क्षेत्र संबंधी लेन-देनों के अनुमान प्रस्तुत करता है । जहां कहीं संभव है, 2006-07 के त्वरित अनुमान संबंधित विवरणियों में दिए गए हैं, साथ ही, इसमें राष्ट्रीय आय के संशोधित अनुमानों के बारे में प्रेस नोट को भी जगह दी गई है, जिसमें वर्ष 2007-08 के लिए उत्पादन तथा व्यय के अनुसार सकल घरेलू उत्पाद के अनुमान दर्शाए गए हैं । रा.ले.सां. में परिलक्षित अर्थव्यवस्था का पर्यावलोकन देते हुए, एक संक्षिप्त विश्लेषणात्मक आलेख भी इस प्रकाशन में शामिल किया गया है । यह प्रकाशन http://www.mospi.gov.in/mospi_cso_rept_pubn.htm लिंक पर भी उपलब्ध है ।

2. राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी के संकलन में अपनाये गये स्रोत एवं पद्धतियां " राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकीः स्रोत एवं पद्धतियां, 2007 " नामक प्रकाशन में दी गई हैं जिसे केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन (सी एस ओ) ने मार्च, 2007 के दौरान जारी किया था । प्रयोक्ता इस प्रकाशन को मंत्रालय की उपरोक्त वेबसाइट,से डाउनलोड कर सकते हैं ।

3. केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन ने " राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी : पिछली श्रृंखला, 1950-51 से 1998-99 तक " संबंधी प्रकाशन के माध्यम से 1999-2000 से पहले के वर्षो के लिए राष्ट्रीय लेखा समाहारों के अनुमान भी जारी किए हैं । प्रयोक्ता यह प्रकाशन भी उपरोक्त वेबलिंक से डाउनलोड कर सकते हैं ।

4. राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी के संकलन के लिए अपेक्षित आंकड़े उपलब्ध कराने में हम केन्द्रीय मंत्रालयों और विभागों, विभागीय और गैर-विभागीय वाणिज्यिक उपक्रमों, भारतीय रिजर्व बैंक और सभी राज्य/संघ शासित सरकारों के अर्थ एवं सांख्यिकी निदेशालयों को उनके सहयोग हेतु आभार प्रकट करते हैं । हम इस प्रकाशन में शामिल सूचना और आंकड़ों के प्रस्तुतीकरण और/या उन्हें शामिल करने में सुधार के लिए प्रयोक्ताओं के सुझावों का स्वागत करते हैं ।

5. मैं, श्री रमेश कोल्लि, अपर महानिदेशक के पर्यवेक्षण और मार्गदर्शन के अंतर्गत इस प्रकाशन को प्रकाशित करने में राष्ट्रीय लेखा प्रभाग(रा.ले.प्र.), के.सां.सं. के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रयासों की भी सराहना करना चाहूंगा । सामग्री के संपादन और मिलान कार्य में श्रीमती टी.राजेश्वरी, निदेशक, श्री एस.के.गुप्ता और श्री एस.के.मित्तल, सहायक निदेशक, रा.ले.प्र., के.सां.सं. का योगदान विशेष रूप से उल्लेखनीय है ।

एस.के.नाथ
महानिदेशक
केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन

नई दिल्ली
मई, 2008